Ans. (b) – अप्रैल, 1930 में बाल विवाह निरोधक कानून के प्रणेता हरविलास शारदा थे, जिनके नाम पर इसे 'शारदा अधिनियम' के नाम से जाना जाता है। यह 1 अप्रैल, 1930 से लागू है। यह अधिनियम केवल हिन्दुओं के लिए नहीं बल्कि ब्रिटिश भारत के सभी लोगों पर लागू होता है।

93. 'डाकन प्रथा' को अवैध घोषित करने वाली सर्वप्रथम राजस्थान की कौनसी रियासत थी-

(a) जयपुर (b) जोधपुर
(c) बीकानेर (d) उदयपुर

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (d) – सर्वप्रथम उदयपुर राज्य में महाराणा स्वरूप सिंह ने अक्टूबर 1853 ई. में डाकन प्रथा को गैर कानूनी घोषित किया। डाकन प्रथा या डायन प्रथा में ग्रामीण महिलायें अपनी तांत्रिक विधा द्वारा नन्हें शिशुओं को मार देती थी।

94. उदयपुर राज्य में 'डाकन प्रथा' पर प्रतिबन्ध कब लगाया गया?

(a) 1850 में (b) 1853 में
(c) 1855 में (d) 1858 में

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

(ii) राजस्थान : कलाएँ, चित्रकलाएँ एवं हस्तशिल्प

95. गोपाल सैनी का सम्बन्ध राजस्थान की किस हस्तकला से है?

(a) टेराकोटा (b) ब्ल्यू पॉटरी
(c) काष्ठ कला (d) थेवा कला

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (b) : गोपाल सैनी का सम्बन्ध राजस्थान की ब्ल्यू पॉटरी हस्तकला से है। राजस्थान की ब्ल्यू पाटरी को G.I. (भौगोलिक संकेतक) टैग मिल चुका है। जयपुर में ब्ल्यू पॉटरी निर्माण का श्रेय महात्मा रामसिंह को दिया जाता है। कृपाल सिंह शेखावत द्वारा इस कला को देश-विदेश में पहचान दिलवाई गयी।

96. राजस्थान की किस चित्र शैली में नारियों को शिकार करते हुए दर्शाया गया है?

(a) बीकानेर (b) जयपुर
(c) कोटा (d) अलवर

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (c) : कोटा राज्य की एक मात्र चित्रशैली है जिसमें नारियों को शिकार करते हुए दर्शाया गया है। शिकारी दृश्यों का चित्रण इस शैली की मुख्य विशेषता है। इस शैली का स्वतंत्र विकास रामसिंह के समय हुआ। कोटा शैली में महाराजा उम्मेद सिंह हाड़ा के समय सर्वाधिक चित्र चित्रित किए गए।

97. कृपाल सिंह शेखावत का सम्बन्ध किस कला से है?

(a) थेवा कला (b) कुन्दन कला
(c) टेराकोटा (d) ब्लू पॉटरी

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (d) : कृपाल सिंह शेखावत का संबंध ब्लू पॉटरी से हैं जयपुर की ब्लू पॉटरी को पुनर्जीवित करने में कृपाल सिंह का प्रमुख योगदान है। इन्हें वर्ष 1974 ई. में पद्म श्री तथा 2002 में शिल्प गुरु से सम्मानित किया गया। ब्लू पॉटरी का सर्वाध्कि विकास महाराजा रामसिंह द्वितीय की समय हुआ। कृपाल सिंह की जीवनी राज्य के विद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल की गयी है।

98. कवि एवं चित्रकार नागरीदास के रूप में कौन प्रसिद्ध था?

(a) कृष्णदेव (b) राजा सावन्त सिंह
(c) वृन्दावनदास (d) राणा कुम्भ

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (b) : राजा सावंत सिंह कवि और चित्रकार रहे है। इन्होने बाद में नागरीदास के नाम से बिहार चंद्रिका, रसिक रत्नावली, मनोरथ मंजरी आदि काव्यों की रचना की। राजा सावंत सिंह राज्य छोड़कर अपनी प्रेयसी एवं दरबार गायिका 'बणी-ठणी' के साथ वृन्दावन चले गये और नागरीदास उपनाम से 'नागर समुच्चय' की रचना की।

99. श्रीधर अंधारे को किस चित्रशैली को प्रकाश में लाने का श्रेय दिया जाता है?

(a) किशनगढ़ (b) देवगढ़
(c) शाहपुरा (d) उणियारा

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (b) : देवगढ़ शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय श्रीधर अंधारे को है। देवगढ़ शैली में मोटी और सीधी रेखाएं पीले रंगों का बाहुल्य, स्त्री-पुरुष आकृतियाँ और शिकार के चित्र अधिक प्राप्त होते हैं।

100. 'महणसर' प्रसिद्ध है -

(a) सोने की चित्रकारी के लिए
(b) मुगलकालीन चित्रों की अधिकता के लिए
(c) 360 खिड़कियों की हवेली के लिए
(d) सती माता मन्दिर के लिए

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (a) : महणसर झुनझुनू, सीकर एवं चुरू जिलों का सीमावर्ती गांव है। यह सोने की चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ एक ऐसी हवेली है जो सोने चांदी से पेंट की गई है। इस हवेली को सोने-चांदी की दुकान कहा जाता है। यह 1846 ई. में पेंट की गई थी।

101. 'झेला, जमेला, पीपलपत्रा, अगोटया' शरीर के किस अंग के आभूषण हैं?

(a) कान (b) गला
(c) हाथ (d) पैर

कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – राजस्थान में स्त्रियों के प्रमुख आभूषण निम्न है–
कान– झेला, जमेला, पीपलपत्ता, अगोट्या, लटकन, झुमका, बाली
छाती/गला– कंठी, चंदनहार, निबोरी, हालरो, तिमणिया, जुगावली, कंठसरी, मांदलिया
हाथ– पट, फूदना, अणत, गोखरू, कंकण, बगड़ी
पैर– टोड़ा, टाँका, झाँझर, नेवरी, रिमझोल, लंगर, नूपुर

102. सोमपुरा शैली जानी जाती है–

(a) मिट्टी के बर्तन के लिए (b) चमड़े के लिए
(c) चित्रकला के लिए (d) स्थापत्य के लिए

RPSC G.K. & Agronomy 29.08.2022